

an>

title: Need to develop Haridwar as an international tourist and spiritual centre.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्ष जी, हरिद्वार, जो गंगोत्री से 300 किलोमीटर की दूरी पर है, विश्व की सांस्कृतिक, आस्था और आध्यात्मिकता का केन्द्र है। ... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank's statement will go on record.

â€¦(Interruptions)â€¦\*

माननीय अध्यक्ष: ऐसा नहीं होता है। आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप लोग बैठ जाइए। आज जीरो आवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक: यह नगर प्राकृतिक छटा, मनोहारी गंगा तटों, आरतियां के नैनाभिराम दृश्यों, विभिन्न आश्रमों एवं अखाड़ों वाला और ऐसा स्वतःस्फूर्त केन्द्र है, जहां विश्वभर से तीर्थ यात्री, श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। ... (व्यवधान) हरिद्वार इस समय यातायात की बहुत बुरी परिस्थितियों से गुजर रहा है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप लोग बैठ जाइए। अभी नहीं करेंगे। आपको नियम 193 में होने वाली चर्चा में समय मिलेगा।

... (व्यवधान)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक: यहां कांवड़ मेला चल रहा है, जहां प्रतिदिन लाखों यात्री आ रहे हैं, कांवड़ मेला यात्री आ रहे हैं। ... (व्यवधान) यहां हर छः वर्ष में अर्धकुम्भ और बारह वर्ष आन में कुम्भ होता है। ... (व्यवधान) इस समय यहां यातायात की बहुत खराब स्थिति है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहा है, वह अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। ... (व्यवधान) उसके पूरा न होने के कारण आठ-आठ घण्टे तक का जाम लगता है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: खड़गे जी, बैठ जाइए। आपको नियम 193 में होने वाली चर्चा में समय मिलेगा।

... (व्यवधान)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक: लोग परेशान हो रहे हैं, यहां तक कि एम्बुलेंस भी नहीं जा पा रही है और लोगों को दम तोड़ना पड़ रहा है। ... (व्यवधान) हमारे यशस्वी मंत्री आदरणीय नितिन गडकरी जी ने उस कंपनी को फटकार लगाई थी, लेकिन अभी तक वह काम पूरा नहीं हो रहा है। ... (व्यवधान) मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि उस कंपनी को ब्लैकलिस्ट करके, युद्धस्तर पर यहां काम कराया जाए। ... (व्यवधान) रुड़की से हरिद्वार और ऋषिकेश तक पलाईओवर बनाया जाए। रुड़की, हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून और मसूरी तक मोनो रेल के लिए तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाए। ... (व्यवधान) हर रेलवे क्वीसिंग पर ओवरब्रिज बनाया जाए। जो जबरेला, देवबन्द और रुड़की का रेलवे मार्ग है, यदि वह काम तत्काल हो सकता है तो उसका बहुत बड़ा लाभ देश और दुनिया के लोगों को होगा। ... (व्यवधान)

12.09 hours

-

(Shri Mallikarjun Kharge, Shri P. Karunakaran, Prof. Saugata Roy and some other hon. Members then left the House.)

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक : महोदया, जो हरिद्वार बाईपास है, जो सुरंगों के माध्यम से जाएगा, उससे बहुत बड़ा समाधान निकल सकता है, वह कहींब 1000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। ... (व्यवधान) मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं, चूंकि हरिद्वार पूरे विश्व में अध्यात्म का एक केन्द्र है, इसलिए यहां पूरी दुनिया से लोग आते हैं। ... (व्यवधान) इसको भी तत्काल स्वीकृत कर दिया जाये। ... (व्यवधान) शहर में कुड़ा निस्तारण की सुविधा एवं अन्य जो भी सुविधाये हैं, ... (व्यवधान) उसको सुनिश्चित करते हुए एक विशेष पैकेज दिया जाये। ... (व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से, जो बहुत सास काम कर रही है, मांग करता हूं कि यह काम भी हो जायेगा तो मैं आभारी रहूंगा। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी,

भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी और

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह वन्देल को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह अच्छी बात नहीं है।

â€!(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वेरी बैड।

â€!(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्ष महोदया जी, ऐसे इस सदन में, खास कर विपक्ष को कोई गलतफहमी नहीं होना चाहिए।...(व्यवधान) हमारी जो सरकार नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में है, वह किसानों का हित करने वाली एवं किसानों के हित को सर्वोपरि मानने वाली, अब की बार भारत सरकार है। ...(व्यवधान) मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हम विपक्ष के साथ बात कर चुके थे और उनको कह चुके थे कि किसान संबंधी समस्याओं के बारे में और कृषि संकट के बारे में चर्चा करने के लिए हम तैयार हैं, हम कभी भी इस पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान)

इसलिए आपकी आज्ञा अनुसार नियम 193 के तहत, वह आज बिजनेस में भी है और विदाई समारोह के बाद तुरंत हम उसको प्रथम प्रश्नस्त में, प्रायश्चिती में लेने वाले हैं। मैं उनसे एक बार और निवेदन करूंगा कि इसमें वे भाग लें और किसान हित साधने के लिए जो सुझाव देना चाहिए, उसमें वे कृपया पार्टिसिपेट करें।

माननीय अध्यक्ष : यह होना चाहिए, उनको भी समझना चाहिए, सभी को चर्चा के लिए मौका मिलेगा।

श्री श्यामा वरुण गुप्त जी।